

उत्तर प्रदेश सरकार ने मक्का खेती की ओर बढ़ते रुझान को रेखांकित किया

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश सरकार ने प्रगतशील किसानों के बीच **मक्का की खेती** की ओर बढ़ती प्रवृत्ति को रेखांकित किया है, जिसका प्रमुख कारण इस फसल के आर्थिक लाभ, कम जल आवश्यकता तथा **उच्च पोषणीय मूल्य** को माना गया है।

मुख्य बिंदु

■ मक्का के बारे में मुख्य तथ्य:

- मक्का को **पानी की कम आवश्यकता** होती है और यह महत्वपूर्ण **पोषणीय लाभ** प्रदान करता है, जिससे यह अनेक किसानों के लिये एक स्थायी विकल्प बन गया है।
- मक्का की बुवाई के लिये आदर्श समय 15 जून से 15 जुलाई तक है। यदि सियाई उपलब्ध है, तो **मई के अंत में बुवाई शुरू की जा सकती है**, जिससे भारी बारिश शुरू होने से पहले जल्दी विकास हो सके।
- **आधुनिक कृषि तकनीकों** को अपनाने से मक्का की **उपज 100 क्वटिल प्रति हेक्टेयर तक पहुँच सकती है**।
- **वर्तमान में तमलिनाडु 59.39 क्वटिल प्रति हेक्टेयर की औसत उपज के साथ अग्रणी है**, जबकि **उत्तर प्रदेश में यह औसत 21.63 क्वटिल प्रति हेक्टेयर है**, जो वृद्धि की पर्याप्त संभावनाओं को दर्शाता है।
 - परंपरागत रूप से **मेंथा उत्पादन** के लिये प्रसिद्ध **बाराबंकी ज़िले** में अब **मक्का की खेती की ओर तीव्र रूप से झुकाव** देखा जा रहा है।
- मक्का को इसके प्रचुर पोषक तत्वों, जैसे **कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन, विटामिन** और खनिजों के कारण **"अनाज की रानी"** माना जाता है।
 - मक्का को **स्वीट कॉर्न, बेबी कॉर्न, जैव ईंधन (biofuels)** तथा **बायोप्लास्टिक** उत्पादन सहित अनेक उपयोगों के लिये उपयुक्त माना जाता है।

■ सरकारी समर्थन:

- राज्य सरकार ने किसानों के लिये **कृषि मक्का विकास कार्यक्रम** शुरू किया है तथा **न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP)** की भी घोषणा की है।
- **वर्ष 2024-25 के लिये मक्का का MSP 2,225 रुपए प्रति क्वटिल** निर्धारित किया गया है।
- **मक्का की खरीद 15 जून से 31 जुलाई तक** विभिन्न ज़िलों में की जाएगी।
- राज्य सरकार ने **वर्ष 2027 तक मक्का उत्पादन को दुगुना करने का लक्ष्य** निर्धारित किया है।